

K-237

Total Page No. : 3]

[Roll No.]

CPS-14

**B.Ed. IIIrd Semester
Examination Dec., 2023**

संस्कृत का शिक्षणशास्त्र (भाग-2)

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

नोट :- यह प्रश्न-पत्र पैंतीस (35) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2×9½=19

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ (9½) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भाषा अधिगम में पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धान्त की भूमिका को विस्तारपूर्वक लिखिए।

K-237

(1)

P.T.O.

2. अधिगम योजना की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। संस्कृत भाषा अधिगम योजना किन-किन घटकों द्वारा प्रभावित हो सकती है ?
3. मुद्रित सामग्री से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत भाषा शिक्षण में मुद्रित सामग्री का प्रयोग आप किस प्रकार अपने शिक्षण में करेंगे ?
4. पाठ्यचर्या के प्रत्यय को विस्तारपूर्वक लिखिए। संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यपुस्तक निर्माण में आप पाठ्यचर्या निर्माण के किन-किन सिद्धान्तों का समावेश करेंगे ?
5. क्रियात्मक अनुसन्धान से क्या आशय है ? संस्कृत शिक्षण के सन्दर्भ में क्रियात्मक अनुसन्धान के महत्व एवं आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×4=16

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कृत शिक्षण के सन्दर्भ में मापन एवं मूल्यांकन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. मूल्यांकन प्रक्रिया में सूचना और प्रौद्योगिकी की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
3. संस्कृत भाषा शिक्षण से सम्बन्धित शिक्षक निर्मित एवं मानकीकृत परीक्षणों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. मौलिक अनुसन्धान एवं क्रियात्मक अनुसन्धान में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. संस्कृत शिक्षण की पाठ्यपुस्तक के गुण एवं दोषों की विवेचना कीजिए।
6. उपलब्धि परीक्षण से आप क्या समझते हैं ? संस्कृत शिक्षण में उपलब्धि परीक्षण के महत्व को लिखिए।
7. संस्कृत शिक्षण के अंतर्गत क्रियात्मक अनुसन्धान के दौरान आने वाली समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।
8. पाठ्य सहगामी क्रियाओं के क्या उद्देश्य हैं ? पाठ्यचर्या में पाठ्यसहगामी क्रियाओं के समायोजन की क्या आवश्यकता है ?
